

中国游记散文大系

浙江卷〔上〕



中海出版社

浙江卷（上）

中国游记散文大系

主编 张成德 张仁健 林友光 屈毓秀 崔元和



书海出版社



目 录

| | | |
|--------|--------|------|
| 冷泉亭记 | [唐]白居易 | (1) |
| 冷泉亭 | [明]张岱 | (4) |
| 游南屏山记 | [宋]僧契嵩 | (7) |
| 龙井题名记 | [宋]秦观 | (10) |
| 龙井记 | [宋]秦观 | (12) |
| 龙井 | [明]田汝成 | (16) |
| 老龙井 | [明]田汝成 | (18) |
| 龙井 | [明]袁宏道 | (20) |
| 龙井探胜 | [清]吕星垣 | (22) |
| 游龙井记 | [宋]程端明 | (28) |
| 西湖禊事记 | [宋]程端明 | (31) |
| 夜游西湖纪事 | [宋]叶梦得 | (35) |
| 阅古泉记 | [宋]陆游 | (37) |
| 南园记 | [宋]陆游 | (40) |
| 观潮 | [宋]周密 | (45) |
| 观潮 | [宋]吴自牧 | (47) |
| 钱塘江观潮记 | [明]王文禄 | (53) |

| | | |
|----------|---------|---------|
| 游韩平原故园 | [宋] 佚名 | (56) |
| 湖山佳处记 | [明] 魏骥 | (59) |
| 游西山记 | [明] 王洪 | (63) |
| 月夜游宝石山记 | [明] 都穆 | (68) |
| 湖山叙游·叙湖记 | [明] 刘暹 | (70) |
| 湖山叙游·叙山记 | [明] 刘暹 | (75) |
| 苏公堤 | [明] 田汝成 | (83) |
| 六桥 | [明] 田汝成 | (85) |
| 断桥 | [明] 田汝成 | (87) |
| 断桥春望 | [明] 李流芳 | (89) |
| 孤山 | [明] 田汝成 | (91) |
| 孤山 | [明] 沈守正 | (94) |
| 夜游孤山记 | [清] 邵长蘅 | (96) |
| 孤山探梅图记 | [清] 蒋敦复 | (99) |
| 西湖小记 | [明] 张京元 | (104) |
| 秋日游四照亭记 | [清] 厉鹗 | (113) |
| 西溪探梅记 | [明] 王在晋 | (117) |
| 西溪 | [明] 王穉登 | (121) |
| 游西溪记 | [清] 林纾 | (123) |
| 西湖三日游 | [明] 史鉴 | (126) |
| 三天竺之游 | [明] 史鉴 | (130) |
| 记石屋洞之游 | [明] 史鉴 | (134) |
| 韬光纪幽 | [明] 史鉴 | (137) |
| 游净慈寺 | [明] 史鉴 | (140) |
| 灵石山烟霞洞记游 | [明] 史鉴 | (142) |

| | | |
|-----------|---------|-------|
| 洞霄游记 | [明] 黄汝亨 | (146) |
| 游北高峰记 | [明] 田艺蘅 | (149) |
| 北高峰 | [明] 张岱 | (152) |
| 北高峰顶观海云 | [明] 高濂 | (154) |
| 武林游记 | [明] 高攀龙 | (156) |
| 湖上杂叙 | [明] 袁宏道 | (169) |
| 初至西湖记 | [明] 袁宏道 | (171) |
| 飞来峰 | [明] 袁宏道 | (173) |
| 飞来峰记 | [清] 邵长蘅 | (175) |
| 灵隐 | [明] 袁宏道 | (178) |
| 灵隐寺 | [明] 张岱 | (181) |
| 灵隐寺 | [清] 俞樾 | (185) |
| 雨后游六桥记 | [明] 袁宏道 | (187) |
| 晚游六桥待月记 | [明] 袁宏道 | (189) |
| 望湖亭 | [明] 袁宏道 | (191) |
| 御教场 | [明] 袁宏道 | (193) |
| 莲花洞 | [明] 袁宏道 | (195) |
| 登吴山记 | [明] 王士性 | (197) |
| 西泠桥畔醉红树 | [明] 高濂 | (201) |
| 西泠桥 | [明] 张岱 | (203) |
| 三茅山顶望江天雪霁 | [明] 高濂 | (205) |
| 苏堤看桃花 | [明] 高濂 | (207) |
| 六和塔夜玩风潮 | [明] 高濂 | (209) |
| 保俶塔顶观海日 | [明] 高濂 | (211) |
| 保俶塔看晓山 | [明] 高濂 | (213) |

| | | |
|---------|---------|-------|
| 飞来洞避暑 | [明] 高濂 | (214) |
| 资严山下看石笋 | [明] 高濂 | (216) |
| 满家弄赏桂花 | [明] 高濂 | (218) |
| 孤山月下看梅花 | [明] 高濂 | (220) |
| 明圣二湖 | [明] 张岱 | (222) |
| 西湖七月半 | [明] 张岱 | (225) |
| 湖心亭 | [明] 张岱 | (229) |
| 湖心亭看雪 | [明] 张岱 | (231) |
| 湖心亭红灯 | [清] 陆次云 | (233) |
| 三潭印月 | [清] 陆次云 | (235) |
| 西湖香市 | [明] 张岱 | (237) |
| 白洋潮 | [明] 张岱 | (240) |
| 九溪十八涧 | [明] 张岱 | (243) |
| 九溪十八涧 | [清] 俞樾 | (245) |
| 记九溪十八涧 | [清] 林纾 | (248) |
| 烟霞石屋 | [明] 张岱 | (251) |
| 玉莲亭 | [明] 张岱 | (254) |
| 五云山 | [明] 张岱 | (256) |
| 小蓬莱 | [明] 张岱 | (258) |
| 十锦塘 | [明] 张岱 | (260) |
| 玉泉寺 | [明] 张岱 | (263) |
| 湖山小记 | [明] 萧士玮 | (265) |
| 湖上奇云记 | [清] 宋琬 | (267) |
| 六桥泣柳记 | [清] 尤侗 | (270) |
| 南游记 | [清] 孙嘉淦 | (276) |

| | | |
|--------------|--------|-------|
| 八月十六夜记游 | [清]毛先舒 | (287) |
| 佛日净慧寺游记 | [清]厉 鸽 | (290) |
| 西湖之胜 | [清]沈 复 | (295) |
| 游云居山记 | [清]戴 熙 | (299) |
| 韬光海日记 | [清]朱殿芬 | (302) |
| 烟霞岭游记 | [清]赵 坦 | (305) |
| 云阳洞北小港记 | [清]赵 坦 | (308) |
| 书朱诵清《冷泉秋话图》后 | [清]何绍基 | (311) |
| 南山路岩洞 | [清]俞 楣 | (314) |
| 游西湖 | [清]李慈铭 | (316) |
| 记钱塘江 | [清]程守谦 | (318) |
| 西湖纪游 | [清]张仁美 | (322) |
| 夜游西湖 | [清]查人漢 | (339) |
| 游南山 | [清]查人漢 | (343) |
| 玉泉观鱼记 | [清]查人漢 | (345) |
| 湖心泛月记 | [清]林 纶 | (347) |
| 记水乐洞 | [清]林 纶 | (350) |
| 记云栖 | [清]林 纶 | (352) |
| 游栖霞紫云洞记 | [清]林 纶 | (354) |
| 超山梅花记 | [清]林 纶 | (357) |
| 记花坞 | [清]林 纶 | (360) |
| 游天台山赋并序 | [晋]孙 绰 | (363) |
| 天台山记 | [唐]徐灵府 | (369) |
| 国清寺止观堂记 | [唐]沈 僊 | (391) |
| 桐柏观颂序 | [唐]崔 尚 | (394) |

| | | |
|----------|---------|-------|
| 玉霄亭记 | [宋] 尤 袁 | (397) |
| 刘阮洞记 | [宋] 郑志道 | (399) |
| 委羽山观记 | [宋] 谢 伋 | (404) |
| 记天台山 | [明] 薛应旗 | (406) |
| 游国清寺记 | [明] 张 存 | (408) |
| 重游天台记 | [明] 戴 溪 | (412) |
| 由寒明历桃源记 | [明] 邹迪光 | (418) |
| 游石桥记 | [明] 夏 镊 | (421) |
| 游台岩路程 | [明] 陶望龄 | (424) |
| 天台游记 | [清] 杨葆光 | (434) |
| 游天台山记 | [清] 洪亮吉 | (444) |
| 游天台山记 | [清] 戴名世 | (448) |
| 天台山记游 | [清] 金天翮 | (453) |
| 浙西三瀑布记 | [清] 袁 枚 | (459) |
| 雁荡山 | [宋] 沈 括 | (462) |
| 游石洞夜坐记 | [宋] 谢 翱 | (465) |
| 游雁荡记 | [宋] 王十朋 | (468) |
| 秋游雁荡记 | [元] 李孝光 | (470) |
| 雁山观石梁记 | [元] 李孝光 | (473) |
| 游云峰洞记 | [元] 李孝光 | (475) |
| 游惠上人开西谷记 | [元] 李孝光 | (478) |
| 暮入灵岩记 | [元] 李孝光 | (481) |
| 大龙湫记 | [元] 李孝光 | (484) |
| 游石梁记 | [元] 陈德永 | (487) |
| 石梁观瀑记 | [明] 邹迪光 | (489) |

| | | |
|---------|---------|-------|
| 游雁宕山日记 | [明] 徐宏祖 | (492) |
| 雁山观大龙湫记 | [明] 邹迪光 | (500) |
| 重游雁山记 | [明] 戴 溪 | (504) |
| 游散水崖记 | [明] 黄 缙 | (509) |
| 游雁荡记 | [清] 方 苑 | (511) |
| 记寻大龙湫瀑布 | [清] 方 苑 | (514) |
| 游大龙湫记 | [清] 戴名世 | (517) |
| 龙鼻泉记 | [清] 戴名世 | (521) |
| 游雁荡山记 | [清] 周清原 | (523) |
| 中雁荡记游 | [清] 张盛藻 | (533) |
| 游南雁荡记 | [清] 潘 来 | (539) |
| 游玉甑峰记 | [清] 潘 来 | (545) |
| 北雁荡纪游 | [清] 郭钟岳 | (550) |
| 南雁荡纪游 | [清] 郭钟岳 | (563) |
| 游雁荡日记 | [清] 梁章钜 | (570) |
| 游仙岩记 | [清] 潘 来 | (585) |
| 游仙居诸山记 | [清] 潘 来 | (597) |
| 石门亭记 | [宋] 王安石 | (607) |
| 仙都观记 | [宋] 叶梦得 | (610) |
| 游仙岩记 | [明] 王叔果 | (613) |
| 游仙都记 | [明] 郑汝璧 | (619) |
| 游仙都峰记 | [清] 袁 枷 | (627) |
| 广福寺三岩记 | [宋] 李尧俞 | (630) |
| 括苍最高轩记 | [宋] 周 庄 | (633) |
| 巾山草堂记 | [明] 方孝孺 | (636) |

- 小洋 [明] 王思任 (639)
三岩洞记 [清] 蒋 薰 (642)
雪窦游记 [宋] 邓 牧 (645)
清茂轩记 [元] 戴表元 (650)
游雪窦山记 [明] 李 濂 (654)
游雪窦山记 [明] 杨守陈 (660)
四明山记 [明] 沈明臣 (665)
游剡溪记 [明] 王思任 (668)
游五泄山水志 [明] 宋 濂 (670)
游五泄 [明] 袁宏道 (675)
游五泄记 [明] 徐 渭 (679)
游山记略 [明] 郑天鹏 (682)
鄞县经游记 [宋] 王安石 (684)
月湖记 [宋] 舒 熾 (686)
甬东山水古迹记 [元] 吴渊颖 (690)
宝陀山所见记 [元] 戴表元 (696)
石台纪游诗序 [元] 黄 潘 (699)
清泉山记 [明] 方孝孺 (702)
游天童山记 [明] 李 濂 (705)
登招宝记 [明] 沈 恺 (710)
游普陀洛伽山记 [明] 侯继高 (713)
普陀游记 [明] 朱国桢 (719)
兰亭集序 [晋] 王羲之 (722)
兰亭集后序 [晋] 孙 绰 (725)
修禊云门献之山亭序 [唐] 王 勃 (727)

| | | |
|-------------|----------|-------|
| 游妙喜寺记 | [唐] 李 逊 | (730) |
| 金庭观晋右军书楼墨池记 | [唐] 裴 通 | (733) |
| 天柱山天柱观记 | [唐] 吴 简 | (737) |
| 在会稽与京邑游好诗序 | [唐] 顾 云 | (740) |
| 天柱观记 | [五代] 钱 缪 | (744) |
| 东山记 | [宋] 孙 枝 | (748) |
| 云门寺寿圣院记 | [宋] 陆 游 | (754) |
| 适南亭记 | [宋] 陆 佃 | (757) |
| 游小隐山叙 | [宋] 钱公辅 | (761) |
| 湖山游咏记 | [明] 沈明臣 | (764) |
| 秦望山记 | [明] 黄汝亨 | (771) |
| 云门山记 | [明] 黄汝亨 | (778) |
| 西施山书舍记 | [明] 徐 渭 | (784) |
| 登秦望山记 | [明] 董 珪 | (787) |
| 松风阁记 | [明] 刘 基 | (790) |
| 活水源记 | [明] 刘 基 | (795) |
| 游云门山记 | [明] 刘 基 | (798) |
| 见山楼记 | [明] 宋 濂 | (801) |
| 游吼山记 | [清] 戴名世 | (805) |
| 香炉峰纪游 | [清] 朱 绶 | (808) |
| 东峰亭记 | [唐] 冯 宿 | (811) |
| 北山普济院记 | [宋] 陈 亮 | (814) |
| 游金华三洞记 | [宋] 程端明 | (817) |
| 金华洞人物古迹记 | [宋] 谢 翱 | (819) |
| 月泉游记 | [宋] 谢 翱 | (825) |

- 游赤松山记 [宋] 吕祖谦 (828)
金华游录 [宋] 方 凤 (834)
金华三洞游记 [明] 张维枢 (851)
金华三洞纪游 [明] 戴 溪 (856)
与宋元思书 [梁] 吴 均 (863)
灵香阁记 [宋] 苏 颂 (865)
严州重修南山报恩光孝寺记 [宋] 陆 游 (869)
小炉峰三瀑记 [宋] 谢 翱 (873)
新城游北山记 [宋] 晁补之 (877)
元日登钓台记 [宋] 范成大 (879)
衢州寄晏尚书 [宋] 范仲淹 (881)
游仙华山宝章洞 [明] 郑东白 (884)
照山记 [明] 徐 贯 (891)
游钓台记 [清] 蒋敦复 (896)
游钓台记 [清] 郑日奎 (904)
古樟记 [清] 戴名世 (908)
游烂柯山记 [清] 戴名世 (910)
横山记 [清] 王崇炳 (913)
记径山之游 [宋] 蔡 襄 (916)
游天目山记 [明] 袁宏道 (920)
西天目山记略 [明] 冯梦祯 (923)
东天目山记略 [明] 冯梦祯 (928)
天目山记 [明] 王晋亨 (931)
游天目山记 [清] 金之俊 (936)
白蘋洲五亭记 [唐] 白居易 (943)

| | | |
|-----------|---------|--------|
| 白蘋亭记 | [唐] 李直方 | (947) |
| 游石林记 | [宋] 叶梦得 | (951) |
| 湖州胜赏楼记 | [宋] 叶适 | (954) |
| 纵云台记 | [宋] 刘行简 | (957) |
| 游东林山水记 | [宋] 王质 | (961) |
| 游汾湖记 | [元] 杨维桢 | (965) |
| 游吴兴山水清远图记 | [元] 赵孟頫 | (969) |
| 瀛湖会景亭记 | [元] 赵孟頫 | (971) |
| 陈山记 | [明] 沈宗 | (974) |
| 游岘山记 | [明] 朱长春 | (977) |
| 游岘山记 | [明] 谢肇淛 | (982) |
| 浮碧亭记 | [明] 刘麟 | (986) |
| 销夏湾记 | [明] 蔡羽 | (990) |
| 游消夏湾记 | [清] 洪亮吉 | (993) |
| 游鸳鸯湖记 | [清] 方象瑛 | (995) |
| 道场山游记 | [清] 吕星垣 | (1000) |
| 登道场山记 | [清] 钦善 | (1004) |
| 游鹰窠顶记 | [清] 黄之隽 | (1007) |
| 蠡山记 | [清] 徐倬 | (1014) |

作家小传

冷泉亭^①记

唐·白居易

东南山水，余杭郡^②为最。就郡言，灵隐寺^③为尤。由寺观，冷泉亭为甲。亭在山下水中央，寺西南隅。高不倍寻^④，广不累丈，而撮奇得要，地搜胜概，物无遁形。

春之日，吾爱其草薰薰，木欣欣，可以导和纳粹^⑤，畅人血气。夏之夜，吾爱其泉渟渟，风泠泠，可以蠲烦析酲^⑥，起人心情。山树为盖，岩石为屏，云从栋生，水与阶平。坐而玩之者，可濯足于床^⑦下；卧而狎之者，可垂钓于枕上。矧又潺湲清澈，粹冷柔滑。若俗士，若道人，眼耳之尘，心舌之垢，不待盥涤，见辄除去。潜利阴益^⑧，可胜言哉？斯所以最余杭而甲灵隐也。

杭自郡城抵四封，丛山复湖，易为形胜。先是，领郡者，有相里君造^⑨作虚白亭，有韩仆射皋^⑩作候仙亭，有裴庶子棠棣^⑪作观风亭，有卢给事元辅^⑫作见山亭，及右司郎中河南元藴^⑬最后作此亭。于是五亭相望，如指

之列，可谓佳境殚矣，能事毕矣。后来者，虽有敏心巧目，无所加焉。故吾继之，述而不作。长庆三年^⑩八月十三日记。

录自《白氏长庆集》

【语译】东南各地的山水名胜，以杭州为最佳。就杭州而言，灵隐寺最为突出。从灵隐寺来看，冷泉亭当数第一。冷泉亭在飞来峰下，溪水中间，灵隐寺的西南角。亭高不到一丈六尺，宽不到两丈，可是，它却聚集了最奇最美的山水，包罗了优美的胜境，风景都没有隐藏起来。

春日的白天，我爱那里花草的芳香，树木的欣欣向荣，可以疏导人的心情和顺和吸纳纯粹新鲜的空气，血气舒畅。夏日的夜晚，我爱那里的泉水轻轻流淌，山风徐徐吹拂，可以消散烦热，清醒头脑，振作精神。山上的树木是天然的伞盖，岩石像是它的屏风，白云从亭子的栋梁间飘出，流水与亭子的台阶相平。坐而玩赏时，可以濯足于井栏下；卧而玩耍时，可以在枕上垂钓。况且又有潺潺流水，洁净清澈，凉爽而柔和滑润。无论是世俗之人，无论是出家的僧侣道人，眼见耳闻的俗物、欲望，语言中的污秽，不等洗涤，一看到这些景色就全消除干净了。它对人的潜移默化作用，哪里说得尽呢？这就是冷泉亭为杭州最佳名胜、在灵隐寺数第一的原因吧。

杭州从郡城到城郊，山峦重叠，湖水相连，很容易形成一种胜景。从前在这里做郡守的人，相里造修建了虚白亭，仆射韩皋修建了候仙亭，庶子裴棠棣修建了观风亭，给事中卢元辅修建了见山亭，最后，右司郎中河南人元莫又修建了这座冷泉亭。如此，五座亭子相望，就像一并排列的五个手指，可以说佳境达到

极致了，人们的工巧也都做尽了。后来人虽有聪敏智慧，巧匠的眼力，也再难锦上添花了。所以，我继他们之后，只是记述其事而不再修建这类亭子了。此记写于长庆三年八月十三日。

【注释】①冷泉亭：在杭州西湖灵隐寺前飞来峰下。白居易于长庆二年至四年（822~824），曾任杭州刺史。长庆三年写下了这篇题记。②余杭郡：即杭州。唐时称余杭郡。③灵隐寺：我国佛教禅宗十刹之一，东晋时修建，在杭州西湖西北灵隐山麓、飞来峰东。④寻：古时以八尺为一寻。倍寻即两寻。⑤导和纳粹：导引人们心情平和，接纳精粹的养分。⑥蠲：解除。析酲：解酒，清醒头脑。⑦床：井上围栏，此指亭栏。⑧潜利阴益：潜移默化，渐渐熏陶。⑨相里君造：姓相里，名造，曾任杭州刺史。⑩韩仆射皋：韩皋，曾任杭州刺史。仆射，唐代尚书省的长官。⑪裴庶子棠棣：裴棠棣，曾任杭州刺史，官至太子庶子。⑫卢给事元辅：卢元辅，曾任杭州刺史。给事，门下省管理文书档案的官吏。⑬右司郎中元莫：元莫，河南洛阳人，曾任杭州刺史。右司郎中为尚书省的助理官员。⑭长庆三年：公元823年。长庆，唐穆宗年号。

冷 泉 亭

明·张岱

冷泉亭，在灵隐寺山门之左。丹垣绿树，翳映阴森。亭对峭壁，一泓泠然，凄清入耳。

亭后西栗十余株，大皆合抱。冷颸^①暗樾^②，遍体清凉。秋初，栗熟，大如樱桃。破苞食之，色如蜜珀，香如莲房。天启甲子^③，余读书岣嵝山房^④。寺僧取作清供，余谓鸡头实无其松脆，鲜胡桃逊其甘芳也。

夏月乘凉，移枕簟就亭中卧月。润流淙淙，丝竹并作。张公亮听此水声，吟林丹山诗：“流出西湖载歌舞，回头不似在山时。”言此水声带金石^⑤，已先作歌舞声矣。不入西湖，安入乎！

余尝谓：住西湖之人，无人不带歌舞，无山不带歌舞，无水不带歌舞，脂粉纨绮，即村妇山僧，亦所不免。因忆眉公之言，曰：“西湖有名山，无处士；有古刹，无高僧；有红粉，无佳人；有花朝，无月夕。”曹娥雪亦有诗嘲之，曰：“烧鹅羊肉石灰汤，先到湖心次岳王。斜日未曛客未醉，齐抛明月进钱塘。”